न्यूज डायरी

अंटार्कटिका में टूट रहा 1,70,312 किमी लंबा ग्लेशियर, डूबेंगे मुंबई के तटीय इलाके ?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। धरती पर अथाह जल के स्रोत अंटार्कटिका के तबाही लाने वाले ग्लेशियर थवेट्स में दरार आना शुरू हो गया है। यह ग्लेशियर 170,312 किमी लंबा है जो अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के बराबर है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगले 5 साल में यह ग्लेशियर टूट जाएगा जिससे दुनियाभर के समुद्र में जलस्तर 25 इंच तक बढ़ जाएगा। इससे मुंबई जैसे दुनिया के तटीय शहरों के कई इलाके पानी में डूब सकते हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि इस थवेट्स ग्लेशियर में आ रही दरार की गति बहुत ज्यादा है। इस बर्फ से निकला पानी वैश्विक स्थर पर समुद्र में जलस्तर में कुल बढ़ोत्तरी का 4 प्रतिशत होगा। सोमवार को जारी ताजा आंकड़े के मुताबिक समुद्र का गर्म होता पानी थवेट्स ग्लेशियर की पकड़ को अंटार्कटिका से कमजोर कर रहा है। इससे ग्लेशियर की सतह पर क्रैक आ रहे हैं। इस संबंध में सैटलाइट आंकड़ों को अमेरिकन जिओफिजिकल यूनियन की वार्षिक बैठक में पेश किया गया है।

पूर्वी इंडोनेशिया में समुद्र में आया 7.3 तीव्रता का भूकंप, सूनामी का अलर्ट जारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जकार्ता। इंडोनेशिया के फ्लोरेस द्वीप के पास समुद्र में मंगलवार को रिक्ष्टर पैमाने पर 7.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिसके बाद मौसम विज्ञान एजेंसी ने संभावित सुनामी का अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के मुताबिक, मंगलवार को आए भूकंप का केंद्र समुद्र में 18.5 किलोमीटर की गहराई पर था और यह स्थान मउमेरे शहर से करीब 112 किलोमीटर दूर है। ईस्ट नुसा टेंग्गारा सूबे में मउमेरे दूसरा सबसे बड़ा शहर है और यहां की आबादी 85 हजार के करीब है। राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण (प्रबंधन) एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने कहा कि इलाके में रहने वाले लोगों ने भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए। टेलीविजन पर प्रसारित वीडियो में लोगों को भूकंप के प्रभाव से हिल रही इमारतों से बाहर भागते हुए दिखाया गया। मुहारी ने कहा, भूकंप के कारण फिलहाल किसी प्रकार के जानमाल का नुकसान होने की कोई सूचना नहीं है।

राजनाथ सिंह के बयान पर आगबबूला हुआ पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के पाकिस्तान सरकार और सेना की ओर से फैलाए जा रहे छद्म युद्ध के खिलाफ मुंहतोड़ जवाब देने के बयान से पाकिस्तान लाल हो गया है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि बीजेपी और आरएसएस यूपी तथा अन्य राज्यों के चुनाव को जीतने के लिए अतिराष्ष्ट्रवाद की भावनाओं को भड़का रहे हैं। साथ ही हिंदुत्व के अजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता असीम इफ्तिखार अहमद ने कहा कि पाकिस्ध्तान राजनाथ सिंह के निराधार, अनावश्यक और उकसाऊ बयानों की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी की यह विशिष्टता है कि वह इतिहास को गलत तरीके से पेश करती है।

सिजोफ्रेनिया की गंभीरता से जुड़े जीन वैरिएंट की हुई पहचान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। शोधकर्ताओं ने सिजोफ्रेनिया की गंभीरता से जुड़े जीन वैरिएंट का पता लगाया है। एक अध्ययन के दौरान विज्ञानियों ने पाया कि जो लोग इस बीमारी के अति गंभीर रूप का सामना कर रहे हैं, उनमें अपेक्षाकृत अधिक संख्या में दुर्लभ म्युटेशन हुए हैं। शोध निष्कर्ष पीएनएएस नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है, जो सिजोफ्रेनिया की आनुवांशिकी पर नया प्रकाश डालता है और बीमारी के खतरों की पहचान तथा इलाज पद्धति के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। अमेरिका के बायलर कालेज आफ मेडिसिन में मनोचिकित्सा एवं व्यवहार विज्ञान के सहायक प्रोफेसर तथा अध्ययन के प्रमुख लेखक एंथनी डब्ल्यू. जोघबी के अनुसार, श्शोध परिणाम न्यूरोसाइकिएट्रिक विकारों के आनुवंशिक जोखिम की पहचान के लिए प्रभावी रणनीति को रेखांकित करते हैं। हमें उम्मीद है कि ये परिणाम प्रभावी इलाज की खोज में मददगार साबित होंगे।

अमेरिका का हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सैन्य ताकत बढ़ाने का ऐलान

दादागिरी

एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका अपने साझेदारों के साथ संबंधों का विस्तार करेगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जकार्ता। अमेरिका के विदेश मंत्री ने एंटनी ब्लिंकन ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका एशिया के अपने साझेदारों के साथ सैन्य और आर्थिक संबंधों का विस्तार करेगा ताकि चीन की हिंद–प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती आक्रमकता का मुकाबला किया जा सके। ब्लिंकन ने कहा कि (राष्ट्रपति जो) बाइडन प्रशासन क्षेत्र में शांति और समृद्धि कायम रखने को लेकर प्रतिबद्ध है और वह अमेरिका के गठबंधन को मजबूत कर, नए साझेदार बना कर और अमेरिकी सैन्य की प्रतिस्पर्धी बढ़त को कायम कर यह सुनिश्चित करेगा।

ब्लिंकन ने हिंद प्रशांत को लेकर प्रशासन की योजना को रेखांकित करते हुए इंडोनेशिया में कहा, 'खतरा मंडरा रहा है, हमारी सुरक्षा तैयारी उसके इर्द–गिर्द है। यह करने के लिए हम अपनी सबसे बड़ी ताकत की ओर झुकेंगे जो हमारा गठबंधन और साझेदारी है।' ब्लिंकन ने कहा, 'हम ऐसी रणनीति अंगीकार करेंगे

जो हमारी राष्ट्रीय ताकत– कूटनीति, सैन्य, खुफिया सूचना– को हमारे साझेदारों और सहयोगियों के साथ लाती है।' उन्होंने कहा कि इसमें अमेरिकी और एशियाई रक्षा उद्योग को जोड़ना, आपूर्ति श्रृंखला को एकीकृत करना और प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष में सहयोग करना शामिल है।

एक सप्ताह के दौरे के तहत पहले पड़ाव इंडोनेशिया पहुंचे: अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, 'यह हमारी ताकत को मजबूत करने के लिए है ताकि हम शांति कायम रख सकें, जैसा हमने दशकों से इस क्षेत्र में किया है।' ब्लिंकन ने जोर देकर कहा कि अमेरिका देशों को उसके और चीन के बीच चुनने पर जोर नहीं दे रहा है और न ही चीन के साथ संघर्ष चाहता है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने बीजिंग के 'उत्तरपूर्वी एशिया और दक्षिण पूर्वी एशिया में, मेकॉन्ग नदी से प्रशांत द्वीपों तक आक्रमक रुख' की शिकायत की। ब्लिंकन दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के एक सप्ताह के दौरे के तहत पहले पड़ाव इंडोनेशिया पहुंचे है। वह मलेशिया और थाईलैंड भी जाएंगे। चीन की बढ़ती आक्रामकता का मुकाबला करना, खासतौर पर दक्षिण चीन सागर में, हांगकांग और ताइवान के खिलाफ उनके अजेंडे में है। उन्होंने कहा, 'क्षेत्र के देश चाहते हैं कि उसके (चीन) व्यवहार में बदलाव आए। हम करेंगे। हम दक्षिण चीन सागर में स्वतंत्र नौवहन को लेकर प्रतिबद्ध हैं। यही वजह है कि हम ताइवान जलडमरुमध्य में शांति और स्थिरता को लेकर रुचि ले रहे हैं।' ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका क्षेत्र में पांच संधि सहयोगियों– ऑस्ट्रेलिया, जापान, फिलीपीन, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड– के जरिए मजबूत संबंध बनाएगा।

दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ साझेदारी को मजबूत करेंगे: साथ ही उनके बीच संबंधों को बढ़ावा देगा और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ के साथ साझेदारी को मजबूत करेगा जिसके कई सदस्य देश चीन से खतरा महसूस करते हैं। ब्लिंकन सोमवार को इंडोनेशिया पहुंचे, जहां पर पहले से ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के शीर्ष सहायक और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार निकोले पत्रुशेव सुरक्षा वार्ता के लिए मौजूद थे।

जलवायु परिवर्तन से सीपियों का अस्तित्व खतरे में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिंगापुर। गहरे सागर के नीचे स्थित प्रवाल भित्तियों में रहने वाले प्राणियों के बारे में सोचते हुए हो सकता है कि आपका ध्यान उन विशाल सीप की तरफ जाए, जिसकी लंबाई एक मीटर और वजन 250 किलोग्राम तक हो सकता है यह धरती पर सबसे बड़े जलीय सीप है। लेकिन इसके आकार और प्रसिद्धि के बावजूद, विशाल सीपियां संकट में है।

जलवायु परिवर्तन के कारण हिंद–प्रशांत का उष्णकटिबंधीय जल गर्म होता जा रहा है, और उनके खोल तथा मांस की बहुत मांग है। इन कारणों से कुछ तो पहले से ही स्थानीय रूप से विलुप्त हैं। आज के हमारे नए शोध में पाया गया है कि ये प्रतिष्ठित विशाल जलजीव समुद्री ताप और जलवायु परिवर्तन के साथ आने वाले अम्लीय महासागरों जैसे नए खतरों का सामना कर रहे हैं। क्या उनका खेल खत्म हो गया है? अभी नहीं। हमारा मानना है कि ऐसे नए तरीके हैं जिनसे हम प्रवाल भित्तियों पर सीपियों का प्रबंधन कर सकते हैं, साथ ही इन खतरों को झेल पाने के लिए डिजाइन किए गए नए प्रजनन कार्यक्रम बना सकते हैं और जब हम शुद्ध–शून्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तक पहुंच जाते हैं तो इन्हें बचाने के लिए समय मिल जाता है।

चीन में मिली 2200 साल पुरानी भगवान बुद्ध की मूर्ति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन में भगवान बुद्ध की 2200 साल पुरानी तांबे से बनी मूर्ति मिली है। यह चीन में अपनी तरह की सबसे पुरानी बुद्ध मूर्ति है। इस मूर्ति को प्राचीन समाधियों के एक समूह से निकाला गया है। ये समाधियां पूर्वी हान राजवंश से ताल्लुक रखती हैं। एक मूर्ति में बुद्ध शाक्यमुनी के रूप में दिखाई दे रहे हैं। वह किसी चीज पर खड़े हैं और लबादा ओढ़ रखा है। इसके अलावा एक अन्य मूर्ति मिली है जिसमें 5 तथागत मौजूद हैं। भगवान बुद्ध की यह मूर्ति चीन में पहले मिली बुद्ध की सबसे प्राचीन मूर्ति से 200 साल पुरानी है। ये गंधार शैली में बनाई गई हैं। यह शैली पहली शताब्दी से 7वीं शताब्दी ईसापूर्व के बीच वर्तमान पश्चिमोत्तर पाकिस्तान और पूर्वी अफगानिस्तान इलाके में विकसित हुई थी।

भारत हो सकता है अत्याधुनिक एस 500 डिफेंस सिस्टम का पहला खरीदार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुनिया का सबसे ज्यादा अडवांस माने जाने वाला सिस्टम

मास्को। रूस के उप प्रधानमंत्री यूरी बोरिसोव ने कहा है कि भारत रूस के अत्याधुनि एस–500 प्रोमोतेई एयर डिफेंस सिस्टम का पहला विदेशी खरीददार हो सकता है। रूस के डेप्युटी पीएम का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब भारत को रूसी एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम मिलने शुरू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत इसे खरीदना चाहता है तो वह पहला विदेशी खरीदार हो सकता है। यूरी ने आरबीसी टीवी चैनल से बातचीत में कहा, बिना किसी संदेह के एक बार हम इस सिस्टम को अपने सैनिकों को सौंप दें तो अगर भारत इस अत्याधुनिक सिस्टम को खरीदने की इच्छा जताता है तो वह इस सूची में सबसे पहला देश होगा यूरी से यह सवाल किया गया था कि क्या भारत एस–500 को खरीदने वाला पहला देश होगा। रूसी मंत्री ने सिप्री की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि रूसी हथियारों की वैश्विक बिक्री में गिरावट आई है।

रूस के पास 50 अरब डॉलर के लंबी अवधि के ठेके: रूसी उप प्रधानमंत्री ने कहा, श्इस संदर्भ में मैं निष्कर्षों से सहमत नहीं हूं क्योंकि उन्होंने कई चीजों को शामिल नहीं किया है जिन्हें मैं जानता हूं। दूसरी बात हमारा आंकड़ा यह बताता है कि 50 अरब डॉलर के लंबी अवधि के ठेके हुए हैं जबकि हमारा निर्यात आंकड़ा हर साल 13 से 15 अरब डॉलर है। हमारे प्रमुख खरीदारों ने लंबी अवधि का समझौता कर रखा है। उन्होंने कहा कि रूस हवाई सुरक्षा के लिहाज से कई जरूरी हथियारों को बनाता है। इससे पहले रशियन फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री–टेक्निकल कोऑपरेशन के डायरेक्टर दमित्री शुगेव ने कहा कि रूसी सशस्त्र बलों के पास इस अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम की पर्याप्त उपलब्धता हो जाने पर इस इसे अन्य देशों को निर्यात किया जा सकता है।

दुनिया में जंगल की आग की तरह से फैल रहा है कोरोना का ओमीक्रोन वेरिएंट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। कोरोना वायरस का ओमीक्रोन वेरिएंट दुनिया के उन देशों में जंगल की आग की तरह से फैलना शुरू हो गया है जहां पर इनके मामले सामने आए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही इसके लक्षण हल्के हैं, फिर भी बड़ी संख्या में लोग इससे संक्रमित हो सकते हैं और उन्हें अस्पताल जाना पड़ सकता है। इसमें कई लोग अपनी जान भी गंवा सकते हैं। विशेषज्ञों ने यह चेतावनी ऐसे समय पर दी है कि ओमीक्रोन से ब्रिटेन में 1 व्यक्ति की मौत हो गई है और 10 लोग अस्पताल पहुंच गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले सप्ताह कहा था, यह दक्षिण अफ्रीका में डेल्टा वेरिएंट से ज्यादा तेजी से फैल रहा है जहां अभी तक डेल्टा का प्रसार कम है। यही नहीं दुनिया के उन देशों में भी ओमीक्रोन वेरिएंट तेजी से फैल रहा है जहां डेल्टा वेरिएंट बहुत ज्यादा फैला हुआ है। इसमें ब्रिटेन जैसे देश शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि उपलब्ध आंकड़े को देखें तो इस बात की पूरी संभावना है कि जहां पर सामुदायिक संक्रमण शुरू हो गया है, ओमीक्रोन वेरिएंट डेल्टा वेरिएंट को पीछे छोड़ देगा।